

Calcutta-Dum Dum Helicopter Service

*714. **Shri Brij Raj Singh-Kotah:**
Will the Minister of Transport be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have invited the Private Sector to start a Helicopter Service between Calcutta and Dum Dum Airport;

(b) if so, when this ferry service will start functioning; and

(c) the full particulars thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport (Shri Mohiuddin): (a) to (c). A suggestion has been made for the operation of a helicopter service between Calcutta and Dum Dum. The economies of operation of a helicopter service is under examination. After the examination is completed, the operation of such a service will be considered.

Irradiated Wheat

*715. { **Shri Balkrishna Wasnik:**
Shri D. C. Sharma:
Shri Ram Harkh Yadav:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to supply American irradiated wheat for consumption in India;

(b) if so, whether Government have examined the likely effects of such wheat on people's health; and

(c) whether any foreign exchange will be saved when the proposal comes into effect?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) No such proposal has been received by the Government so far.

(b) and (c). Do not arise.

दिल्ली दुग्ध योजना के मक्खन का खराब होना

*७१६. { **श्री नवल प्रभाकर :**
श्री श्रीकार लाल बेरवा :
श्री माते :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री योगन्द्र झा :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में ही दिल्ली दुग्ध योजना का बड़ी मात्रा में मक्खन खराब हो गया था ;

(ख) कितना मक्खन खराब हुआ था तथा इसके खराब होने के क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या इस खराब मक्खन का घी बनाने के लिए प्रयोग किया जा रहा है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ५० म० थामस) : (क) और (ख). उस स्टॉक की मात्रा जो कि कुछ समय से इकट्ठा हो गया है, लगभग ४५ मीट्रिक टन है। पर्याप्त मात्रा में अति प्रशीतण उपस्करण (deep freeze equipment) न होने के कारण यह खराबी हुई। आवश्यक उपस्करण प्राप्त करने के लिये कदम उठाये जा रहे हैं।

(ग) इस समय ऐसे मक्खन से बना हुआ लगभग १२ मीट्रिक टन घी स्टॉक में मौजूद है। मक्खन तथा इससे बने हुए घी दोनों की राष्ट्रीय डेरी अनुसन्धान संस्थान, करनाल में जांच की जा रही है। निर्देश जारी कर दिये गये हैं कि जब तक कि इस बारे में रिपोर्ट नहीं आती तब तक इस मक्खन का घी बनाने में प्रयोग न किया जाये और न ही इस मक्खन से बने हुए घी को बेचने के लिये दिया जाये।